एक नजर में

अदबी नशिस्त का आयोजन

देवास। बज्म ए गुल ए गुलशन के जेर-ए-अहतिमाम 13 जुलाई को देवास में अजीम देवासी की यौम ए पैदाईश के मौके पर एक अदबी नशिस्त मुन्क्रीद की गई। जिसकी सदारत जनाब ऐड .मिर्जा मसऊद ने की। नशिस्त की निजामत के फराईज तराना से तशरीफ लाए शायर नईम आफताब ने बखूब अंजाम दिए। नशिस्त का बाबरकत आगाज उज्जैन से तशरीफ लाए बेहतरीन तरन्नुम के मालिक इकबाल परवाजी ने किया। इस्तकबालीया निजामत बज्म के खास मेम्बर सेय्यद गुलरेज अली गुलरेज ने की। इस अदबी नशिस्त में मौजूद मेहमान- शायर हुसैन अहमद शान उज्जैन, रईस अनवर इंदौर, कमर साकी धार, हनीफ इंदौरी इंदौर, रफीक नागौरी उज्जैन, शरीफ कैफ इंदौर, नवाब हनफी इंदौर, मशहूर शाजापुरी शाजापुर, इकबाल परवाजी उज्जैन, मकामी शायर शशिकांत यादव अंतरराष्ट्रीय कवि, अकबर देवासी, अजीम देवासी, अंजुम देवासी, सलाउद्दीन सलिस, गुलरेज अली गुलरेज, मुईन खान मुईन, आरिफ वारसी, सुरेन्द्र सिंह राजपूत, ओम यादव, जय प्रकाश जय, शादाब अशरफी, अदिब राहिल, जुबैर तन्हा, साहिल सुलेमान, मनन मशरूफ, ने अपनी बेहतरीन शायरी पेश कर के सामईन से दाद ओ तेहसीन हासिल की। अदबी नशिस्त के मेहमान ए खास रहे मुस्तफा अहमद हाथी वाले (एमआयसी सदस्य व पार्षद) मेहमाने खुसूसी रहे डॉ. रईस कुरैशी, शकील अपना, जाहिद खान इंटक नेता (बीएनपी), अब्दुल हमीद, (खालू), जमील शैख, हाजी आबिद हुसैन नागौरी, रईस मंसूरी, (मौलाना) हाजी फिरोज नागौरी, शहाबउद्दीन मंसूरी, शफीक न.नि., सलाम नागौरी, साबिर पठान एस.के. आदि लोगो ने नशिस्त में शिरकत कर महफिल को रौनक बख्शी। आखिर में नईम नागौरी ने तमाम हाजरीन का शुक्रिया अदा किया।

नशा मुक्ति अभियान अंतर्गत शपथ दिलवाई

कांटाफोड़। मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार पुलिस महानिदेशक के निर्देशन में 15 जुलाई से 30 जुलाई 2025 तक सम्पूर्ण प्रदेश में वृहद स्तर पर नशा मुक्ति अभियान का संचालन किया जा रहा है। इसी कड़ी में कांटाफोड पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सौम्या जैन एवं थाना प्रभारी सुरेखा निमोदा द्वारा नगर के शासकीय सीएम राईज स्कूल मे विद्यार्थीयो को शपथ दिलाकर बच्चों से संवाद कायम करते हुए उन्हें नशा मुक्ति अभियान के संबंध मे समझाईश देकर जानकारी देते हुए अभियान की प्रभावी शुरुआत की। इस अभियान का उद्देश्य समाज को नशे के दुष्प्रभावों से जागरूक करना, युवाओं को रचनात्मक दिशा में प्रेरित करना, तथा जन-सामान्य में नशा विरोधी सोच विकसित करना है। कार्यक्रम के दौरान उपनिरीक्षक विनय बघेल शिक्षक महेंद्र राठौर गिरधर धोसरिया सोडाराम अमोले रेखा पैठारी प्रीती मालवीया सहित विद्यार्थी उपस्थित थे।

यादव ट्रॉफी व नकद पुरस्कार से सम्मानित

देवास। ऐकडेमिक कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, देवास में एक गरिमामय समारोह में कक्षा 5वीं के प्रतिभावान छात्र अभिजीत यादव को वर्ष 2025 की अश्विनी रनिंग ट्रॉफी एवं 10,000 का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। यह विद्यालय का एक अत्यंत प्रतिष्ठित पुरस्कार है, जिसकी घोषणा व स्थापना रघुवीर प्रसाद श्रीवास्तव, आईपीएस (आईजी, क्राइम अगेंस्ट वुमन, इंदौर) द्वारा वर्ष 2016 में की गई थी। यह सम्मान प्रति वर्ष उस छात्र को प्रदान किया जाता है जो खेल एवं अनुशासन के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करता है। इस वर्ष के पुरस्कार समारोह की मुख्य अतिथि अनामिका श्रीवास्तव रहीं, जिन्होंने छात्र को ट्रॉफी एवं पुरस्कार राशि प्रदान की। कार्यक्रम में हाई कोर्ट अधिवक्ता मनोज श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थिति रहे। इस अवसर पर छात्र के अभिभावक भी मौजूद रहे और उन्होंने अपने पुत्र की उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया। विद्यालय की उप प्राचार्य निशि इंदुराज, प्रशासनिक अधिकारी करुणा गहलोत, तथा शिक्षिका नीतू जैन भी इस समारोह में उपस्थित रहीं। विद्यालय परिवार अभिजीत यादव को उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। कार्यकम का संचालन यशस्वी देशपांडे द्वारा किया गया एवं आभार प्रदर्शन हेमलता वर्मा ने किया।

अलग भील प्रदेश राज्य बनाने की मांग, सौंपा ज्ञापन

देवास। भील प्रदेश मुक्ति मोर्चा देवास द्वारा पृथक राज्य भील प्रदेश की मांग को लेकर राष्ट्रपति के नाम से अनुविभागीय अधिकारी राजस्व देवास को ज्ञापन सौंपा गया। भील प्रदेश के रवि गामड़ ने बताया कि भारतीय उपमहाद्वीप में 20 लाख साल पहले से रह रहे आखेटक खाद्य संग्राहक मानव समूह के वंशज आदिवासी है। भारत के संविधान के अनुच्छेद 3 (क ,ख,ग,घ,ड) के तहत पश्चिमी भारत के भील आदिवासी सांस्कृतिक भाषाई ऐतिहासिक क्षेत्र के 43 जिलो का इलाका (चार राज्य एक केंद्र शासित प्रदेश) जोड़कर भील प्रदेश राज्य का गठन किया जाएं। इसके अलावा ज्ञापन के माध्यम से विश्व आदिवासी दिवस 9 अगस्त को राष्ट्रीय अवकाश घोषित करने, डीएनए आधारित जनगणना प्रारंभ करने , जनगणना में आदिवासी धर्म कालम कोड रखने ,भीली बोली को आठवीं अनुसूची में जोड़ने, आदिवासी क्षेत्रों में विदेशी शराब पर प्रतिबंध लगाने, वन नेशन वन एजुकेशन पॉलिसी लागू करने, लैंड बैंक बनकर भूमिहीन आदिवासियों को जमीन उपलब्ध करवाने की मांग की गई। इस अवसर पर जितेन्द्र भूरिया, सचिन देवड़ा के साथ बड़ी संख्या में भील प्रदेश मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नाली अतिक्रमण से जलभराव, ट्रांसफार्मर से हो सकता है हादसा

कार्रवाई नहीं हुई तो हादसे की ज़िम्मेदारी प्रशासन की होगी

देवास। ग्राम आक्या की नई आबादी स्थित पितावाला मार्ग पर नाली पर अतिक्रमण और जलभराव की गंभीर समस्या ने जनजीवन को संकट में डाल दिया है।

बारिश के चलते नाली से जलनिकासी अवरुद्ध हो गई है, जिससे सड़क पर पानी भर गया है। स्थिति इतनी भयावह हो गई है कि पानी के बीच खड़ा बिजली का ट्रांसफार्मर अब जानलेवा खतरे का रूप ले चुका है। ग्रामीण मोहसीन पिता तेज मोहम्मद द्वारा जिला कलेक्टर को दिए गए आवेदन में बताया गया कि वर्ष 2014 में इस मार्ग पर नाली का निर्माण कराया गया था, लेकिन बीते कुछ वर्षों में कुछ लोगों ने नाली पर मिट्टी और मलबा डालकर अवैध कब्जा कर लिया। नतीजतन बारिश का पानी बह नहीं पा रहा है और आसपास की गलियों व मुख्य सड़क पर भयंकर जलभराव हो गया है।

जान जोखिम में

सबसे चिंताजनक स्थिति उस बिजली के ट्रांसफार्मर को लेकर है, जो अब पानी में डूब चुका है। ट्रांसफार्मर का प्रतिबिंब जलभराव में दिखाई दे रहा है, जिससे करंट फैलने की पूरी आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द ही कोई कार्रवाई नहीं हुई, तो यह स्थिति किसी बड़े हादसे को जन्म दे सकती है।

ग्रामीणों की मांग

ग्रामीणों ने कलेक्टर को सौंपे गए आवेदन में मांग की है कि— नाली पर किया गया अतिक्रमण तत्काल हटाया जाए। नई नाली का निर्माण कर जलनिकासी की समुचित व्यवस्था की जाए। ट्रांसफार्मर को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया जाए या सुरक्षा उपाय किए जाएं। बारिश के मौसम में जलभराव से निजात दिलाई जाए। ग्रामीणों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि समय पर कार्रवाई नहीं हुई और कोई हादसा होता है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों की होगी।

प्रशासन मौन

स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया है कि कई बार शिकायतों के बाद भी प्रशासन और बिजली विभाग की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। ट्रांसफार्मर को लेकर सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किए गए हैं और नाली पर कब्जा भी जस का तस बना हुआ है।

एक लाख पौधों का रोपण मेरा लक्ष्य : सुबोध विजय

देवास। सेही रायगढ़ महाराष्ट्र से एक 26 वर्षीय युवा अपने समाज अपने राष्ट्र और पर्यावरण जन चेतना के लिए दिल में जुनून लेकर राष्ट्रव्यापी यात्रा के लिए साइकिल से निकला सुबोध विजय जो देश के 28 राज्यों के सैकड़ो नगरों में भ्रमण करते हुए पर्यावरण चेतना का अलख जगा रहे हैं। आज अपनी यात्रा के दौरान देवास पहुंचे जहां रोटरी क्लब देवास ने उनका स्वागत किया। देवास के वरिष्ठ साइकिलिस्ट हेमंत वर्मा के नेतृत्व में सुबोध विजय का स्वागत सम्मान स्थानीय किंडर स्कूल में रखा। कार्यक्रम में वक्तव्य देते हुए सुबोध विजय ने बताया वह अभी तक 37000 किलोमीटर साइकिल यात्रा कर चुके हैं और लगभग 30000 से अधिक वृक्षारोपण भी कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि वह जो जहां भी जाते हैं वहां स्थानीय लोगों को और विद्यार्थियों को वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करते हैं। सुबोध विजय अपनी यात्रा में लगभग 1 लाख किलोमीटर साइकिल चलाएंगे और 1 लाख पौधों को रोपित करेंगे। उसके पश्चात विश्व की सबसे ऊंची चोटी एवरेस्ट पर चढ़कर भारत का झंडा फहराएंगे। कार्यक्रम में रोटरी क्लब के पूर्व डीजीएस नवीन नाहर ने जल जमीन और जंगल के महत्व को बच्चों के सामने रखा। अपनी पुरातन परम्परा में वृक्ष क्यो पूज्यनीय थे इस बात पर प्रकाश डाला साथ ही बच्चों को अपने समाज के लिए हमेशा सजग रहने के लिए आवाहन किया। रोटरी क्लब अध्यक्ष डॉ सचिन नगर ने सभी का सम्मान किया और सुबोध विजय को उनकी यात्रा के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की। हेमंत वर्मा ने सुबोध विजय का स्वागत करते हुए उनके कर कमलों से एक पौधारोपण विद्यालय परिसर में करवाया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार का समस्त स्टाफ एवं बच्चे बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। आभार रोटेरियन स्वप्निल वर्मा ने व्यक्त किया।

लाखों रुपए स्वच्छता अभियान के खर्च करने के बाद भी जनता परेशान

ट्रेंचिंग ग्राउंड पर पसरा कचरे का ढेर , जलेरीया - सोनकच्छ मार्ग पर से निकलना दुष्वार

सोनकच्छ। ट्रेंचिंग ग्राउंड पर गंदगी का साम्राज्य फैला हुआ है जो एक गंभीर समस्या बन गया है क्योंकि नगर परिषद सोनकच्छ स्वच्छता अभियान के लाखों रुपए खर्च करने के बाद भी इस समस्या को खत्म नहीं कर पा रही है। जलेरीया सोनकच्छ मार्ग पर नगर परिषद सोनकच्छ द्वारा ट्रेंचिंग ग्राउंड पर नगर का कचरा डाला जाता है जहां पर वर्तमान में कचरे का पाहड खड़ा हो गया और कचरा सड़क पर फ़ैल गया है जिसके कारण जलेरीया, भागसरा, रोशनाबाद सहित एक दर्जन गांव वालों के अलावा सेकंडों स्कूल विधार्थियों का आना-जाना रहता है लेकिन वे इस कचरे की गंदगी से परेशान हैं साथ ही आसपास क्षेत्र के रहवासियों को भी काफी परेशानी होती है।

कचरा छांटने की मशीनें बंद

स्वच्छता अभियान अंतर्गत ट्रेंचिंग ग्राउंड पर गिला कचरा और सुखा कचरा छांटने वाली मशीन बंद होने के कारण कचरा ठीक से अलग नहीं हो पा रहा है और ना ही कचरे का निस्तारित होने से भी गंदगी फैल रही है।

18 करोड़ की नहर, निर्माण के 3 माह बाद पहली बारिश में ही बह गई

घटिया सामग्री का इस्तेमाल कर मजे मार गए ठेकेदार

सतवास। सतवास चन्द्रकेशर मध्यम परियोजना की एलबीसी मुख्य नहर जो कि 18 करोड़ रुपए की लागत से बनाई गई है एक बार फिर सवालों के घेरे में है। निर्माण के समय भैरूपुरा माइनर में नहर की सीसी लाइनिंग टूटी थी तब, जल संसाधन विभाग ने जांच में भैंस मवेशियों को दोषी ठहराया गया था। अब वहीं नहर पहली बारिश में ही धराशाई हो कर बहने लगी है कही पर गहरी दरारें और उखड़ती सीमेंट सामने आई हैं, लेकिन इस बार इसमें जानवर नजर नहीं आया। बल्कि भ्रष्टाचार सामने आया है। दरारें चीख चीख कर यह साबित कर रही हैं कि भ्रष्टाचार हुआ है समस्या मवेशियों की नहीं, बल्कि निर्माण की गुणवत्ता में है। तस्वीरों में नहर की सतह फटी हुई है, नहर उखड़ चुकी हैं और कहीं-कहीं गड्ढे जैसे हालात बन गए हैं। पहले ही मामले में मंत्री तक को संज्ञान लेना पड़ा था, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई न ठेकेदार पर हुई, न किसी अधिकारी पर, यह भी विचारनिय है।

इसके निर्माण में बाल मजदूर काम में लगाए गए थे जो कि बाल श्रम कानून का उल्लंघन था। ग्रामीणों का कहना है कि शुरू से ही इस नहर में निर्माण की गुणवत्ता को लेकर संदेह रहा है। ठेकेदार और अधिकारीयो का हर बार बहाना नया होता है कभी नहर टूटती है तो भैंस, मवेशियों के कारण टूटना बता दिया जाता हैं कभी चुप्पी, लेकिन नहर बार-बार टूट रही है, दरारें आ रही हैं और जिम्मेदारी तय नहीं हो रही। इस संदर्भ में संबंधित विभाग अधिकारीयो द्वारा वही रटा रटाया जवाब दुरुस्त कराने की बात कही है।

हर पहलू उजागर कर रहा एक ही बड़ी सच्चाई - गड़बड़ी ही गड़बड़ी

18 करोड़ की लागत से बनी नहर के हालात कई परतों में सच्चाई उजागर कर रहे हैं । एक तरफ बार-बार टूटता घटिया निर्माण, दूसरी ओर नाबालिगों से कराया गया गैरकानूनी काम। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर ऐसी कौन-सी मजबूरी या मिलीभगत है, जिसके चलते ठेकेदार पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही? क्या अफसरों की चुप्पी सिर्फ लापरवाही है या फिर भ्रष्टाचार की आड़ में हो रही एक सुनियोजित ढाल है? बार-बार सामने आती गड़बड़ियों के बाद भी जब जिम्मेदार बचते रहें, तो समझना होगा कि खेल सिर्फ भैंसों मवेशियों का नहीं, सिस्टम का है । और अफसर उसमें महाभारत के धृतराष्ट्र की तरह आंखें मूंदे बैठे हैं।

नीमच और रायसेन जिले की फुटबॉल टीमें सेमीफाइनल में

देवास। मध्यप्रदेश फुटबॉल एसोसिएशन के तत्वाधान में देवास जिला फुटबॉल एसोसिएशन द्वारा सब जूनियर बॉयज अंतर जिला फुटबाल प्रतियोगिता महाराज तुकोजीराव पवार स्टेडियम (ओलम्पिक ग्राउण्ड) पर आयोजित की जा रही है। आज खेले गए दोनों मुकाबले लगभग एकतरफा रहे।दोपहर 02 बजे पहला मैच रायसेन एवं रतलाम की टीमों के मध्य हुआ जिसमें पहले हाफ में रायसेन ने पांच गोल और दूसरे हाफ में भी पांच गोल किए। पलकुश ने चार गोल किए , हुसैन ने तीन, आयुष अरुण और समर्थ पाटीदार ने एक एक गोल किया। रतलाम की टीम पूरी प्रतियोगिता में एक भी गोल नहीं कर सकी और एक भी मैच नहीं जीती और रतलाम टूर्नामेंट से बाहर हो गई। वहीं रायसेन ने अपने तीनों मैच जीतकर ग्रुप बी में नंबर एक का स्थान हासिल किया। दूसरा मैच देवास और नीमच के बीच हुआ जिसमें नीमच ने देवास को 09-00 से हराया और देवास को भी प्रतियोगिता से बाहर किया। नीमच की ओर से सुशील ग्वाला ने तीन, मोहम्मद राहिल ने दो, मोहम्मद अली ,उजैर सिद्दकी, प्रथम गवली, अश्विन ने एक एक गोल किया। देवास की टीम दो मैच हारकर कर प्रतियोगिता से बाहर हो गई हैं वहीं नीमच दो मैच जीतकर अपने ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहकर सेमीफाइनल में पहुच गई है। मध्यप्रदेश फुटबॉल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष एवं देवास जिला फुटबॉल एसोसिएशन के सचिव बिदुयत मालाकर ने बताया कि प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मैच 18 जुलाई को एवं फाइनल मुकाबला 19 जुलाई को होगा। सेमीफाइनल और फाइनल मैच बहुत ही टक्कर के होने की संभावना है।

सेमीफाइनल में पहुचने वाली सभी टीमें अपने अपने ग्रुप के मैचों में शानदार प्रदर्शन कर रहीं है और देवास के खेलप्रेमियों को अच्छे खेल देखने को मिलेंगे। मैच में खिलाड़ियों से परिचय नीमच फुटबॉल एसोसिएशन के सचिब प्रमोद शर्मा, बिद्युत मालाकर ने किया। दिनांक 16 जुलाई को लीग मैचों का अंतिम दिन है । जबलपुर और इंदौर के बीच मुकाबला होगा इसमें जीतने वाली टीम ग्रुप ए की दूसरी सेमीफाइनल में पहुंचने वाली टीम होगी। वहीं धार एवं सागर के बीच भी मैच खेला जाएगा। सागर पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच गई है।

तीन दिवसीय गुरुपूजन तथा झूलोत्सव संपन्न

कन्नौद। देवास जिले के कन्नौद मे तीन दिवसीय गुरुपाद पूजन तथा झूलोत्सव का आयोजन किया जिसमे श्रद्धा भक्ति तथा उत्साह केसाथ डिडवाना मठ के जगतगुरु वेकेटेश देव स्थान छत्रीबाग इंदौर के पीठाधीश्वर महंत श्री 1008 विष्णु प्रपन्नाचार्य महाराज तथा वेकटेश देवस्थान गया बिहार के पीठाधीश्वर महंत श्री वेकटेंश प्रपन्नाचार्य महाराज तथा वेकटेश देवस्थान हरिद्वार के पीठाधीश्वर महंत श्री दिव्यांश स्वामी महाराज का गुरु पाद पूजन हवेली पर किया शानदार भजनो की प्रस्तुति देकर गुरुजनो से भक्तो ने आशिर्वाद प्राप्त किया द्वितीय दिवस भगवान श्री गोपाल कृष्ण को आकर्षक झूले मे सजाकर झूला झूलाया व भजनो की प्रस्तुति दी गई । तृतीय दिवस तुलसी अर्चना का सामूहिक आयोजन किया भगवान को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ तुलसी फूल अर्पित कर अर्चना की गयी भजनो के बाद स्वामी जी ने अपने उद्बोधन मे बताया कि परमात्मा की भक्ति मे वह शक्ति है कि भक्तो का हमेशा कल्याण ही होता है समापन अवसर पर माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा स्वामी को 4 1 हजार रुपये की अनंत निधि राशी सोपी। व्यवस्था मे सक्रिय व्यक्तियो का अभिनंदन भी किया गया महाआरती महा प्रसाद वितरण भण्डारे के साथ समापन हुआ।

एक नजर पुलिस और राजस्व विभाग की लापरवाही से टूट गया महिला का सब्र, समय रहते बचाई गई जान

जमीन विवाद से परेशान महिला ने की आत्महत्या की कोशिश, कलेक्टर कार्यालय की छत पर चढ़कर दी जान देने की चेतावनी

देवास। जिले की जनसुनवाई उस समय सनसनीखेज मोड़ पर पहुंच गई जब हाटपीपल्या निवासी महिला आशा भीलवाड़ा ने कलेक्टर कार्यालय की छत पर चढ़कर आत्महत्या का प्रयास किया। महिला का आरोप है कि उसके परिवार की जमीन को फर्जी तरीके से हड़प लिया गया है और प्रशासन से बार-बार गुहार लगाने के बावजूद अब तक न्याय नहीं मिला। जानकारी के अनुसार, आशा भीलवाड़ा अपने पति के साथ पिछले एक साल से कलेक्टर कार्यालय के चक्कर काट रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राजस्व अमले की मिलीभगत से उनकी जमीन को बेचा गया है, जिसमें स्थानीय पटवारी की सीधी भूमिका है। पीड़िता के अनुसार, उन्होंने पुलिस से लेकर तहसील स्तर तक कई बार शिकायतें कीं, लेकिन हर बार पुलिस और राजस्व विभाग एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालते रहे। परेशान महिला ने कुछ समय पहले आत्मदाह की चेतावनी भी दी थी, परन्तु जब कोई समाधान नहीं निकला तो मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान वह कलेक्टर कार्यालय की छत पर चढ़ गई और आत्महत्या करने की कोशिश की। मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों और अधिकारियों की तत्परता से महिला को नीचे उतारा गया और उसकी जान बचाई जा सकी। इस घटनाक्रम के बाद कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने मामले को गंभीरता से लिया और बयान जारी करते हुए बताया कि मामला काफी पुराना और जटिल है। आशा भीलवाड़ा को वर्षों पूर्व एक पट्टा जारी किया गया था, लेकिन वे कभी उस जमीन पर काबिज नहीं हुए। अब उस स्थान पर शासकीय आईटीआई का निर्माण हो चुका है। जांच एसडीएम को सौंपी गई है और सुनवाई प्रक्रिया जारी है। जल्द ही उचित समाधान निकाला जाएगा। इस घटना ने एक बार फिर से प्रशासनिक जवाबदेही और जनसुनवाई की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आम जनता में यह चर्चा का विषय बन गया है कि यदि समय पर कार्रवाई होती, तो महिला को इतना बड़ा कदम उठाने की जरूरत ही नहीं पड़ती।